शासकीय व अशासकीय महाविद्यालयों की छात्राओं के सामाजिक एवं धार्मिक मूल्यों का तुल्नात्मक अध्ययन

श्रीमती नेहा परिहार
व्याख्याता
विक्टोरिया कॉलेज ऑफ एजूकेशन, भोपाल
pariharneha123@gmail.com

सारांश
प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों की छात्राओं के सामाजिक एवं धामिर्क मूल्यों का तुल्नात्मक अध्ययन करना है। छात्राओं के धार्मिक एवं सामाजिक मूल्यों में क्या अन्तर रहा यही जानना इस शोध का उद्देश्य है। इस परीक्षण के द्वारा यह परिणाम सामने आया कि शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों की छात्राओं के सामाजिक एवं धामिर्क मूल्यों मे सार्थक अन्तर नही पाया गया।
मुख्य बिन्दुः शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालय, छात्राओं के सामाजिक एवं धार्मिक मूल्यों का तुल्नात्मक अध्ययन।

प्रस्तावना
मूल्यों के विषय मे कहा जाये तो शताब्दियों की अग्निपरीक्षा मे खरे उतरने वाले मूल्य ही शाश्वत और चिरंतन होते हैं। वे आज भी प्रासंगिक हैं और कल भी प्रासंगिक रहेंगे। ये मूल्य मानवता की मणिया है, आत्मा के वैभव है और दिव्यता के प्रकाश स्तम्भ है। मूल्यों के अनेक पक्ष है जैसे आध्यात्मिक, मनोवैज्ञानिक एवं सामाजिक ये परस्पर संबद्व है।
आधुनिक विज्ञान का मूल्यों के सम्बंध मे अपना अलग दृष्टिकोण है। वैज्ञानिक अनुसंधान की आधुनिक परम्परा यह मानती है कि हमारी मूल्य प्रणाली की नैतिकता हमारी अवधारणा से प्रभावित होती है। आज हर नवयुवक इस युग की बौद्धिक समस्याओ से परेशान और तनाव में है, सभ्यताओं और संस्कृतियों के बीच जो टकराव विद्यमान है, वह उसे समझने और उसे कम करने के उपाय ढूढंना चाहता है। शिक्षा के माध्यम से पीढी दर पीढी प्रेषित किया जा सकता है तथा मानव समाज इसी प्रकार अपने मूल्यों को धरोहर की तरह सुरक्षित रखता है, उन्हे आगे बढाता है।

उद्देश्य
1 शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयो की छात्राओ के सामाजिक मूल्यों का तुल्नात्मक अध्ययन।
2 शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयो की छात्राओ के धार्मिक मूल्यों का तुल्नात्मक अध्ययन।

परिकल्पना

1 शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयो की छात्राओं के सामाजिक मूल्यों मे सार्थक अंतर नही है।

2 शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयो की छात्राओं के धार्मिक मूल्यों मे सार्थक अंतर नही है।

चयनित न्यादर्श

अध्ययनकर्ता ने अपने शोध कार्य मे न्यादर्श हेतु 100 महाविद्यालयीन छात्राओं को लिया है जिसमे से 50 छात्राएँ शासकीय महाविद्यालय की है तथा 50 छात्राएँ अशासकीय महाविद्यालय की है।

क्षेत्र

प्रस्तुत अध्ययन मे भोपाल जिले के महाविद्यालयीन छात्राओ को शामिल किया गया है।

उपकरण

प्रस्तुत अध्ययन में आंकडों को एकत्रित करने हेतु निम्नलिखित उपकरणों का प्रयोग किया गया है इस उपकरण में 2 मूल्यों को लिया गया है। यह 2 मूल्य इस प्रकार हैं– धार्मिक तथा सामाजिक।

तथ्य संग्रह

शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयीन छात्राओ के सामाजिक मूल्य मे सार्थकता की जाँच

समूह	संख्या	मध्यमान	मानकविचलन	मानक त्रुटि	टी–मान	परिणाम
शा. छात्राएँ	50	32.48	4.73	0.857	2.99	सार्थक
अशा. छात्राएँ	50	35.04	3.79			

df=98 0.01 स्तर पर सारणी मान 2.63

शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयीन छात्राओ के धार्मिक मूल्य मे सार्थकता की जाँच

समूह	संख्या	मध्यमान	मानकविचलन	मानक त्रुटि	टी–मान	परिणाम
शा. छात्राएँ	50	31.68	3.67	0.771	1.63	असार्थक
अशा. छात्राएँ	50	32.74	4.03			

df=98 0.05 स्तर पर सारणी मान 1.98

तथ्यों का विश्लेषण

अध्ययनकर्ता ने भोपाल जिले के चयनित महाविद्यालयों मे जाकर आंकडे एकत्रित किए। सबसे पहले अनुसंधानकर्ता ने छात्राओं के मन से भय को दूर करने के लिए उन्हें अध्ययन उद्देश्यों के विषय मे बताया और मित्रवत व्यवहार द्वारा छात्राओ से मेल जोल कर प्राथमिक परिचय प्राप्त किया। पूरी तरह विश्वस्त कर लेने के उपरान्त परीक्षण के लिए समुचित अनुदेशन प्राप्त किया। शोधकर्ता ने उत्तरपुस्तिकाओं को स्वयं एकत्रित किया तथा स्कोरिंग कुंजी के अनुसार समांक दिए गए तथा सभी समूहो की छात्राओ से प्रश्न पूछे गए उत्तरो को गोपनीय रखने के लिए कहा गया। इस आधार पर शोधकर्ता ने आंकडो का संग्रहण करने मे सफलता प्राप्त की।

निष्कर्ष

अध्ययन के पश्चात यह निष्कर्ष निकलता है कि अध्ययनकर्ता ने शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों की छात्राओं के धार्मिक एवं सामाजिक मूल्यों का तुल्नात्मक अध्ययन किया जिसके पश्चात यह निष्कर्ष सामने आया कि शासकीय महाविद्यालय की छात्राओं के सामाजिक मूल्य का मध्यमान 32.48 एवं मानक विचलन 4.73 प्राप्त हुआ एवं अशासकीय महाविद्यालय की छात्राओं के सामाजिक मूल्य का मध्यमान 35.04 एवं मानक विचलन 3.79 प्राप्त हुआ तथा दोनो के मध्यमान मे अन्तर 2.56 प्राप्त हुआ इसके पश्चात दोनो के मध्य टी मूल्य लगाया गया प्राप्त टी मूल्य 2.99 स्वतत्रंता के अंश 98 पर 0.01 विश्वास के स्तर पर सार्थक है। जिससे यह स्पष्ट होता है कि शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों की छात्राओ के सामाजिक मूल्य में सार्थक अंतर नही है। इसी प्रकार शासकीय महाविद्यालय की छात्राओं के धार्मिक मूल्य का मध्यमान 31.68 एवं मानक विचलन 3.67 प्राप्त हुआ एवं अशासकीय महाविद्यालय की छात्राओं के धार्मिक मूल्य का मध्यमान 32.74 एवं मानक विचलन 4.03 प्राप्त हुआ तथा दोनो के मध्यमान मे अन्तर 1.26 प्राप्त हुआ इसके पश्चात दोनो के मध्य टी मूल्य लगाया गया प्राप्त टी मूल्य 1.63 स्वत्रंता के अंश 98 पर 0.05 विश्वास के स्तर पर असार्थक है। जिससे यह स्पष्ट होता है कि शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों की छात्राओं के धार्मिक मूल्य मे सार्थक अंतर नही है।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

एच.के.कपिल,(1984): अनुसंधान विधियाँ, भार्गव बुक हाऊस, आगरा
आर.ए.शर्मा,(2008): मानव मूल्य एवं शिक्षा, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ